>

Title: Need to take steps for development of Govardhan in Mathura Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्रीमती हेमामालिनी (मथुरा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने संसदीय क्षेत्र के एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर हमारे माननीय प्रधान मंत्री और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ । मेरे संसदीय क्षेत्र गोवर्धन में श्री गिरीराज पर्वत है । भगवान श्रीकृष्ण के जीवनकाल की बहुत सारी जगहें हैं । लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है, जो विराजमान है, आज भी गिरिराज पर्वत और ब्रज का रज है । जहां पर लोग 21 किलोमीटर का परिक्रमा करते हैं । विश्व से कई लोग यहां पर परिक्रमा करने आते हैं । कम से कम पांच से दस करोड़ लोग यहां पर आते हैं । गोवर्धन की परिक्रमा इसलिए करते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी बायीं हाथ की अंगुली से गोवर्धन को उठा कर ब्रजवासियों को इंद्र से बचाया था । आज उसी गोवर्धन की सुरक्षा और विकास के लिए मैं सरकार से प्रार्थना करती हूँ । कई सरकारें आई गईं, लेकिन आज तक किसी ने कुछ किया नहीं है । इसके लिए मुझे बहुत सारी उम्मीद है कि हमारी सरकार डेफिनेटली यह बात करेगी । आज से बहुत साल पहले यह जगह बहुत ही सुंदर हुआ करती थी, लेकिन आज वैसा माहौल नहीं है । हम पुराने उस माहौल को वापस नहीं ला सकते हैं । लेकिन आज जितने भी श्रद्धालु यहां पर आते हैं, परिक्रमा करते हैं, उनके लिए कुछ अच्छी सुविधाएं देनी चाहिए, जैसे कि परिक्रमा मार्ग पर बहुत अच्छी तरह से शौचालय होने चाहिए । वहां पर कूड़ा-करकट नहीं होना चाहिए । राधाकुंड और कुसुमसरोवर में आचमन करने के बाद इस बार कई लोग बीमार भी हो गए हैं ।

13.00 hrs

मैं चाहती हूँ कि गोवर्धन के विकास के लिए अगले 100 वर्षों को ध्यान में रखकर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं । इंटिग्रेटेड डेवलपमेंट होना जरूरी है । राजस्थान सरकार ने तो अभी तक अपने क्षेत्र में आने वाले गिरिराज पर्वत का कोई विकास नहीं किया है । सरकार और विभागों के बीच विशेष अनुमतियां लेने के लिए वर्षों लग जाते हैं और कई सरकारें बदल जाती हैं, लेकिन काम कुछ नहीं होता है । गोवर्धन के संपूर्ण विकास के लिए मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि गोवर्धन की लोकेशन दो राज्यों- उत्तर प्रदेश और राजस्थान में होने के कारण केन्द्र सरकार को पहल कर श्री गोवर्धन विकास न्यास का गठन कर श्री गोवर्धन जी को तिरुपति बालाजी, वैष्णो देवी, अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की तरह सुंदर बनाने की व्यवस्था करनी चाहिए । इससे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री कुलदीप राय शर्मा, श्री गोपाल शेट्टी और श्रीमती रेखा वर्मा को श्रीमती हेमामालिनी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।